लोक सभा
अतारंकित प्रश्न सं. 3595
17 दिसंबर, 2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

रोजगार सृजन

3595. श्री विश्वेश्वर हेगड़े कागेरी:

श्री बिप्लब कुमार देब:

श्री परषोत्तमभाई रुपाला:

श्री अनुराग सिंह ठाकुर:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) सरकार द्वारा वस्त्र क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए क्या उपाय किए गए हैं;
- (ख) सरकार द्वारा कुल कितने रोजगार सृजित किए जाने की संभावना है; और
- (ग) सरकार द्वारा वस्त्र क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और विशेषकर त्रिपुरा राज्य में इस क्षेत्र के विकास के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं?

उत्तर

वस्त्र राज्य मंत्री

(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क) और (ख): वस्त्र उद्योग देश में रोजगार सृजन के सबसे बड़े स्रोतों में से एक है, जो लगभग 45 मिलियन लोगों को सीधे रोजगार देता है। सरकार वस्त्र क्षेत्र में रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों को क्रियान्वित कर रही है। इनमें समर्थ (वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण योजना), राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी), राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी), पीएम-मेगा एकीकृत वस्त्र और अपैरल पार्क (पीएम-मित्र) योजना जैसी अन्य योजनाएं शामिल हैं।

(ग): भारत को वैश्विक वस्त्र विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से, सरकार अपने विभिन्न कार्यक्रमों और पहलों के माध्यम से त्रिपुरा राज्य सहित पूरे देश में वस्त्र क्षेत्र में निवेश आकर्षित करना चाहती है, ताकि इस क्षेत्र के विकास को बढ़ावा दिया जा सके। इनमें से कुछ पहल निम्नानुसार हैं:

पीएम मित्र पार्क योजना: इस योजना के तहत, वस्त्र क्षेत्र में निवेश आकर्षित करने और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए आधुनिक, एकीकृत, बड़े पैमाने पर, विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और प्लग एंड प्ले सुविधा वाले 7 मेगा टेक्सटाइल पार्क स्थापित किए जा रहे हैं। एक बार पूरी तरह से कार्यात्मक होने के बाद, प्रत्येक मेगा टेक्सटाइल पार्क से लगभग एक लाख प्रत्यक्ष रोजगार और लगभग 10,000 करोड़ रुपये का निवेश उत्पन्न होने की परिकल्पना की गई है।

वस्त्र उत्पादन सम्बद्ध प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना: यह योजना बड़े पैमाने पर विनिर्माण को बढ़ावा देने, प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने और इन वस्त्र क्षेत्रों में अतिरिक्त रोजगार सृजित करने के लिए मानव निर्मित फाइबर (एमएमएफ) फैब्रिक, एमएमएफ अपैरल और तकनीकी वस्त्र सहित उभरते क्षेत्रों पर केंद्रित है।

वस्त्र क्षेत्र के विकास के लिए राज्यवार कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया है।